SAARTHI · सारथी

करियर मार्गदर्शन पोर्टल · Career Guidance Portal

"सही मार्गदर्शन, उज्ज्वल भविष्य।"

करियर शीट · CAREER SHEET

Vineyard Grower

वाइनयार्ड ग्रोअर वाइन के लिए अंगूर उगाने, वाइनयार्ड की भूमि तैयार करने, सिंचाई और छंटाई की देखभाल करने और अंगूर की कटाई का प्रबंधन करने वाला विशेषज्ञ होता है। भारत में यह पेशा मुख्यतः नासिक (महाराष्ट्र), बेंगलुरु के आसपास नंदी...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/voc-6434

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

वाइनयार्ड ग्रोअर वाइन के लिए अंगूर उगाने, वाइनयार्ड की भूमि तैयार करने, सिंचाई और छंटाई की देखभाल करने और अंगूर की कटाई का प्रबंधन करने वाला विशेषज्ञ होता है। भारत में यह पेशा मुख्यतः नासिक (महाराष्ट्र), बेंगलुरु के आसपास नंदी हिल्स और कर्नाटक-गोवा क्षेत्र में विकसित हो रहा है, जहाँ सुला वाइनयार्ड्स, ग्रोवर ज़म्पा और शैंडन इंडिया जैसी कंपनियां अंगूर की खेती से लेकर वाइन बॉटलिंग तक का काम करती हैं। एक वाइनयार्ड ग्रोअर साइट चयन से लेकर श्रमिकों के प्रबंधन तक जिम्मेदार होता है और अनुभव के साथ फील्ड सुपरवाइज़र या वाइनयार्ड मैनेजर बन सकता है।

2 एक नज़र में

शैक्षणिक योग्यता	10+2 (विज्ञान) + NSQF कोर्स / डिप्लोमा / स्नातक
कोर्स अवधि	सर्टिफिकेट: कुछ महीने; डिप्लोमा: 1-2 वर्ष; स्नातक: 3-4 वर्ष
कार्य-शैली	फील्ड आधारित काम, टीम प्रबंधन, मौसमी ओवरटाइम
प्रवेश आयु	कक्षा 12 के बाद लगभग 16-18 वर्ष

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- बागवानी और पौधों की देखभाल में रुचि
- खाद्य/पेय उत्पादन और कृषि-व्यवसाय में रुचि
- प्रकृति के करीब, खुले खेतों में काम करना पसंद

क्षमताएँ

- महत्वाकांक्षी स्वभाव, खुद के लिए लक्ष्य निर्धारित करने की आदत
- अपना व्यवसाय शुरू करने और जोखिम उठाने की इच्छा
- शारीरिक रूप से सक्रिय रहकर बाहर काम करने की क्षमता

ज़रूरी कौशल

- अंगूर की किस्मों, मिट्टी व जलवायु की समझ
- फसल-चक्र की योजना और कटाई के समय का प्रबंधन
- बुनियादी वाइनमेकिंग प्रक्रिया की जानकारी
- सिंचाई, छंटाई (प्रूनिंग) और कीट प्रबंधन कौशल
- श्रमिकों की टीम का नेतृत्व और प्रबंधन
- रिकॉर्ड-रखरखाव और बजट प्रबंधन

- धैर्य और मौसम के अनुसार त्वरित निर्णय लेने की क्षमता

4 कैसे पहुँचें

1. विज्ञान वर्ग (भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित/जीव विज्ञान) से 10+2 पूरा करें।
2. नेशनल स्किल्स क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (NSQF) लेवल 4 के वाइनयार्ड ग्रोअर कोर्स में नामांकन करें।
3. या वाइन टेक्नोलॉजी / वाइन, ब्रूइंग एंड अल्कोहल टेक्नोलॉजी / विटीकल्चर में स्नातक डिग्री करें।
4. या वाइन टेक्नोलॉजी / वाइन स्टडीज / फ्रूट प्रोसेसिंग एंड वाइन टेक्नोलॉजी में डिप्लोमा करें।
5. हॉर्टिकल्चर/फ्रूट प्रोसेसिंग/वाइन टेक्नोलॉजी में डिग्री के बाद एडवांस्ड वाइनप्रो या WSET जैसे सर्टिफिकेट कोर्स करें।
6. नामांकन से पहले कोर्स की अवधि और संस्थान की मान्यता (यूजीसी संबद्धता) जरूर जांच लें।

प्रमुख परीक्षाएँ

- इस क्षेत्र में कोई एकल राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षा नहीं है; प्रवेश एनएसक्यूएफ प्रमाणन, संस्थान-स्तरीय मेरिट/साक्षात्कार या यूजी/पीजी डिग्री कोर्स की सामान्य प्रवेश प्रक्रिया से होता है। कृषि विश्वविद्यालयों में प्रवेश के लिए राज्य कृषि प्रवेश परीक्षाएं (जैसे महा-सीईटी कृषि) उपयोगी हो सकती हैं।

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (NSDC) - NSQF वाइनयार्ड ग्रोअर कोर्स — प्रशिक्षण केंद्र, पूरे भारत में (https://nsdcindia.org/)
- डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय — औरंगाबाद (छत्रपति संभाजीनगर), महाराष्ट्र (https://www.bamu.ac.in/)
- सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय — पुणे, महाराष्ट्र (https://www.unipune.ac.in/)

निजी संस्थान

- गार्गी एग्रीकल्चर रिसर्च एंड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (GARTI) — नासिक, महाराष्ट्र (https://www.gargiedu.com/)
- आईडीआरएसी बिजनेस स्कूल, इंडिया कैंपस — पुणे, महाराष्ट्र (https://idracindia.org/)
- तुल्लीहो वाइन एंड स्पिरिट्स अकादमी — नई दिल्ली और बेंगलुरु (https://www.tulleeho.com/)
- इंडियन प्रोफेशनल बारटेंडिंग एकेडमी (IPBA) — पुणे और मुंबई, महाराष्ट्र
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ बारटेंडिंग (IIBT), चंडीगढ़ — चंडीगढ़ (https://www.iibtchandigarh.com/)

ऑनलाइन

- Udemy - Viticulture Courses — ऑनलाइन (https://www.udemy.com/courses/search/?src=ukw&q=viticulture)

फ़ीस

कोर्स के अनुसार फीस लगभग ₹7,000 से ₹70,000 तक होती है - सर्टिफिकेट/एनएसक्यूएफ कोर्स सस्ते होते हैं जबकि डिग्री/डिप्लोमा कोर्स महंगे। विदेश में विशेष कोर्स (जैसे WSET की ऊँची लेवल या फ्रांस/यूएसए में मास्टर्स डिग्री) की फीस इससे काफी अधिक हो सकती है। संस्थान के अनुसार फीस अलग-अलग होती है, इसलिए आवेदन से पहले संस्थान की वेबसाइट पर पुष्टि जरूर करें।

छात्रवृत्तियाँ

- राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (National Scholarship Portal) (https://scholarships.gov.in)
- Buddy4Study (https://www.buddy4study.com)
- विद्यालक्ष्मी शिक्षा ऋण पोर्टल (Vidyalakshmi) (https://www.vidyalakshmi.co.in)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

काम मुख्यतः वाइनरी, वाइनयार्ड (अंगूर के खेत) और कृषि-व्यवसाय फार्म पर होता है। अनुभव के बाद खुद का वाइनयार्ड शुरू कर सीधे वाइनरी या दुकानों को अंगूर की आपूर्ति करना भी संभव है।

कार्य-संस्कृति

यह डेस्क जॉब नहीं है - ज्यादातर समय खेतों में बीतता है और श्रमिकों/सहायकों की एक टीम का प्रबंधन करना पड़ता है। काम के घंटे लचीले होते हैं, लेकिन कटाई (हार्वेस्ट) के मौसम में ओवरटाइम आम बात है। कई जगह अंशकालिक और संविदा आधारित काम भी उपलब्ध है, और इस क्षेत्र में दिव्यांग व्यक्तियों के लिए भी अवसर मौजूद हैं।

कौन नौकरी देता है

- सुला वाइनयार्ड्स (नासिक)
- शैंडन इंडिया / मोएट हेनेसी (नासिक)
- यॉर्क वाइनरी और अन्य नासिक स्थित वाइनरी
- ग्रोवर ज़म्पा वाइनयार्ड्स (नासिक और बेंगलुरु)
- फ्रातेल्ली वाइन्स (अकलूज, महाराष्ट्र)
- निर्यात-उन्मुख अंगूर उत्पादक कंपनियां/सहकारी समितियां (जैसे सह्याद्री फार्म्स)
- कृषि/बागवानी/पशुपालन विभाग व कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके)

माँग (2026)

भारत का वाइन उद्योग अभी छोटा लेकिन तेज़ी से बढ़ रहा है - नासिक को अक्सर 'भारत की वाइन राजधानी' कहा जाता है और वहां अब दर्जनों वाइनरी स्थापित हो चुकी हैं। महाराष्ट्र टेबल ग्रेप्स (खाने के अंगूर) के निर्यात में भी आगे है, जिससे प्रशिक्षित वाइनयार्ड ग्रोअर और विटीकल्चर विशेषज्ञों की मांग बनी रहती है। हालांकि यह अब भी एक बहुत छोटा और भौगोलिक रूप से सीमित (मुख्यतः महाराष्ट्र व कर्नाटक) क्षेत्र है, इसलिए राजस्थान सहित अन्य राज्यों के छात्रों को अक्सर नासिक/बेंगलुरु जाकर काम करना पड़ सकता है।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. वाइनयार्ड ग्रोअर
2. क्षेत्र पर्यवेक्षक (Field Supervisor)
3. वाइनयार्ड मैनेजर
4. वरिष्ठ विटीकल्चरिस्ट / वाइनमेकर (आगे की पढ़ाई व अनुभव के साथ)

कमाई

शुरुआत	₹8,000 - ₹15,000/माह (एंट्री-लेवल वाइनयार्ड ग्रोअर/फील्ड वर्कर)
मध्य स्तर	₹15,000 - ₹35,000/माह (क्षेत्र पर्यवेक्षक)
वरिष्ठ स्तर	₹40,000 - ₹80,000+/माह (वाइनयार्ड मैनेजर); डिग्रीधारी वाइनमेकर/विटीकल्चरिस्ट इससे भी अधिक कमा सकते हैं

सरकारी संदर्भ आंकड़े (payscale.com के 'फार्म वर्कर' डेटा पर आधारित) के अनुसार वाइनयार्ड ग्रोअर की आय ₹8,000-₹40,000/माह के बीच बताई गई है; यह आंकड़ा वाइनयार्ड-विशिष्ट नहीं बल्कि सामान्य कृषि श्रमिक पर आधारित है। एक अलग स्रोत salaryexpert.com के अनुसार भारत में vineyard worker की औसत वार्षिक आय लगभग ₹3.87 लाख (करीब ₹32,000/माह) है। वेतन अनुभव, संस्थान के आकार, स्थान (नासिक/बेंगलुरु) और शिक्षा स्तर पर निर्भर करता है, और डिग्रीधारी वाइनमेकर/मैनेजर स्तर पर यह काफी अधिक हो सकता है।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- बाहर, प्रकृति के करीब काम करने का मौका
- अपना वाइनयार्ड/व्यवसाय शुरू करने की संभावना
- कृषि व खाद्य-प्रसंस्करण उद्योग में बढ़ते अवसर

चुनौतियाँ

- यह एक बहुत छोटा और भौगोलिक रूप से सीमित क्षेत्र है (मुख्यतः महाराष्ट्र/कर्नाटक)
- फसल के मौसम में लंबे व अनिश्चित काम के घंटे
- मौसम और जलवायु परिवर्तन पर आय की अत्यधिक निर्भरता

9 असल ज़िंदगी की कहानियाँ

Sangeeta Boraste
अंगूर उत्पादक / वाइनयार्ड ग्रोअर

नासिक के निफाड़ तालुका की संगीता बोरस्ते के पति के 2014 में निधन के बाद उन्हें सात एकड़ का वाइनयार्ड और 30 लाख रुपये का कर्ज विरासत में मिला। बिना किसी औपचारिक प्रशिक्षण के उन्होंने खुद अंगूर की खेती सीखी, सूखे और ओलावृष्टि जैसी चुनौतियों का सामना किया, और निर्यात-गुणवत्ता के अंगूर उगाना शुरू किया। आज वे सालाना करीब 40 लाख रुपये की बिक्री और 15 लाख रुपये तक का शुद्ध लाभ कमाती हैं, और उनका आधे से अधिक उत्पादन विदेश निर्यात होता है।

The Better India · https://thebetterindia.com/241804/nashik-grapes-farmers-earn-lakhs-sangeeta-boraste-vineyard-sahyadri-farms-grape-export-success-story-niphad-him16/

Kaushal Khairnar
वाइनमेकर, शैंडन इंडिया

नासिक के वाइन क्षेत्र में जन्मे कौशल खैरनार ने 2008 में गार्गी एग्रीकल्चर रिसर्च एंड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (GARTI), नासिक से वाइनमेकिंग में परिचयात्मक कोर्स और बी.एससी. किया, इसके बाद फ्रांस के मॉन्टपेलियर सुपएग्रो विश्वविद्यालय से विटीकल्चर एंड ओनोलॉजी में मास्टर्स डिग्री हासिल की। 2015 में शैंडन इंडिया के 'अर्ली करियर वाइनमेकर प्रोग्राम' में चुने जाने के बाद उन्होंने भारत व ब्राज़ील में सहायक वाइनमेकर के रूप में काम किया और 2018 में वे शैंडन इंडिया के मुख्य वाइनमेकर बने। उन्होंने भारत, फ्रांस, न्यूज़ीलैंड, अमेरिका और ब्राज़ील में आठ अंगूर हार्वेस्ट में काम किया है।

Indian Wine Academy · https://www.indianwineacademy.com/item_3_882.aspx

Karishma Grover
एसोसिएट वाइनमेकर / विटीकल्चरिस्ट, ग्रोवर ज़म्पा वाइनयार्ड्स

कर्नाटक स्थित ग्रोवर ज़म्पा वाइनयार्ड्स के संस्थापक परिवार में जन्मीं करिश्मा ग्रोवर की विटीकल्चर में रुचि 16 साल की उम्र में मशहूर ओएनोलॉजिस्ट मिशेल रोलां की उनके परिवार की बेंगलुरु वाइनरी यात्रा से जगी। उन्होंने 2008 में यूसी डेविस (अमेरिका) से विटीकल्चर एंड ओनोलॉजी में डिग्री हासिल की और लौटकर ग्रोवर परिवार में उत्पादन का जिम्मा संभालने वाली पहली महिला बनीं। वे आज बेंगलुरु के नंदी हिल्स (400 एकड़) और नासिक (100 एकड़) - दोनों वाइनयार्ड्स के उत्पादन व तकनीकी कार्य की देखरेख करती हैं।

Upper Crust India · https://uppercrustindia.com/v3/posts/430/karishma-grover-all-things-wine

10 अगर यह रास्ता न बने तो

एक परीक्षा या एक प्रयास से रास्ता बंद नहीं होता। इन्हीं विषयों से ये रास्ते भी खुलते हैं — इनमें प्रवेश आमतौर पर आसान होता है और आगे चलकर इसी क्षेत्र में लौटा जा सकता है।

- डेयरी किसान / उद्यमी
- हस्तशिल्प रिटेल स्टोर प्रबंधक
- एयरलाइन कार्गो सहायक

11 स्रोत व आगे पढ़ें

1. राजस्थान करियर मार्गदर्शन पोर्टल — https://cg.rajasthan.gov.in/careerguidance/hi/career/%e0%a4%b5%e0%a4%be%e0%a4%87%e0%a4%a8%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%8d%e0%a4%a1-%e0%a4%97%e0%a5%8d%e0%a4%b0%e0%a5%8b%e0%a4%85%e0%a4%b0/

2. राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (NSDC) — https://nsdcindia.org/

3. वाइनयार्ड वर्कर वेतन - SalaryExpert — https://www.salaryexpert.com/salary/job/vineyard-worker/india

4. इंडियन वाइन अकादमी - कौशल खैरनार प्रोफाइल — https://www.indianwineacademy.com/item_3_882.aspx

5. गार्गी एग्रीकल्चर रिसर्च एंड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (GARTI) — https://www.gargiedu.com/

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

career.gsssjethantri.in